SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

Lesson name

Subject name by Akansha

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

जीन पियाजे

संज्ञानात्मक विकास (Cognitive Development)

इस विकास को जीन पियाजे ने प्रतिपादित किया यह स्विट्जरलैंड के वैज्ञानिक थे।

<u>संज्ञानात्मक विकास के प्रत्यय</u>

(1) अनुकूल (Adaptation)

- आत्मसात करना (Assimilation)— पूर्व ज्ञान को नए ज्ञान से जोड़ना
- समायोजन (accommodation) — पूर्व ज्ञान में परिवर्तन करके वातावरण के साथ तालमेल

(2) विकेंद्रीकरण (Decentering) — एक ही समस्या का अलग-अलग तरीके से समाधान।

(3) संतुलन (equilibration) — इसमें बालक आत्मस्तकरण और समायोजन की प्रक्रियाओं के बीच संतुलन कायम करता है।

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

संज्ञानात्मक विकास की अवस्थाएं

1. संवेदी पेशीय अवस्था (0—2 वर्ष)

- इस अवस्था में बच्चा अपनी ज्ञानेंद्रियों के माध्यम से सीखता है।
- इसमें बच्चों में वस्तु स्थायित्व का गुणा आ जाता है।

(2) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था (2—7 वर्ष)

- यह क्रिया करने से पहले की अवस्था है।
- इसमें बालक सामने आने वाली चीजों को देख पाएगा, समझ पाएगा पर कोई क्रिया नहीं कर पाएगा।

- **जीववाद (animism)—** इसमें बालक सजीव और निर्जीव वस्तुओं में अंतर नहीं कर सकता।

- अहंग केंद्रिता (egocentrism) — जब बच्चा यह सोचना शुरू कर देता है कि जो वह कर रहा है, सोच रहा है। सब ठीक है। (मैं का भाव)

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

कोहल्बर्ग का नैतिक विकास का सिद्धांत

कोहल्बर्ग ने नैतिक विकास की अवस्थाएं त्रिभुज के माध्यम से दर्शायी हैं।

कोहल्बर्ग का नैतिक विकास सिद्धांत तीन अवस्थाओं में विभाजित है

यह अमेरिकन थे इन्होंने पियाजे के नैतिक सिद्धांतों को प्रतिपादित किया।

तीन अवस्थाएं—

(1) पूर्व परंपरागत अवस्था (Pre conventional stage)

(2) परंपरागत अवस्था (conventional stage)

(3) उत्तर परंपरागत अवस्था (post conventional stage)

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

(1) पूर्व परंपरागत अवस्था (4 से 10 वर्ष)

- दंड पुरस्कार— बालक का पूर्ण व्यवहार दंड के भय पर आधारित होता है इसी कारण वह अच्छा व्यवहार करता है

- **<u>अपलटावी (Irreversibility)</u>**— इस अवस्था में बच्चा संख्याओं, वस्तुओं तथा समस्या आदि को पलटना नहीं सीखता।

- मुद्रा, दूरी, भार, ऊॅ0 आदि के संप्रत्यय की कमी।

(3) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete operational stage) (7 से 11 वर्ष)

- इस अवस्था में बालक सामने रखी हुई वस्तुओं को देखकर मूर्त रूप से प्रतिक्रिया करता है।
- अपलटावी, जीववाद, मुद्रा, भार आदि सम्प्रत्यय का गुण आ जाता है।

(4) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (Formal operational stage) (11 से 15 वर्ष)

- यह संज्ञान की सर्वोच्च अवस्था है।
- इसमें अमूर्त चिंतन प्रारंभ हो जाता है।
- चिंतन में क्रमबद्धता आ जाती है।

जीन पियाजे के विचार से बच्चे सक्रिय ज्ञान निर्माता तथा नन्हे वैज्ञानिक हैं।

- अच्छे बुरे में अंतर बालक समाज के द्वारा दिए गए दंड व पुरस्कार के द्वारा करता है।
- नैतिकता की वास्तविक समझ नहीं होती है।

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

<u>अहम् केंद्रित</u> –

- इसमें बालक कोई भी कार्य स्वयं की इच्छा को पूरी करने के लिए करता है।

(2) परंपरागत अवस्था (Personal accord stage) (10—3 वर्ष)

- कोई भी कार्य बालक प्रशंसा प्राप्त करने के लिए करता है।
- इसमें बालक समाज को अच्छा लगने वाला व्यवहार करता है। जिससे वह प्रशंसा प्राप्त कर सके।
- इसमें बालक प्रशंसा व निंदा को समझने लगते हैं।
- इसे प्रशंसा की अवस्था भी कहते हैं

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

Low and order orientation stage

- इस अवस्था में बालक कानून व्यवस्था को ध्यान में रखकर काम करता है।
- हर कार्य सम्मान प्राप्त करने के लिए करता है।
- इस अवस्था में हर काम स्वयं की पहचान स्थापित करने के लिए करता है।
- इस अवस्था में बालक अच्छे व नैतिक व्यवहार को महत्ता देता है।

(3) उत्तर परंपरागत अवस्था (social contact stage) (13 से अधिक वर्ष)

- सामाजिक नियमों का पालन करता है।
- उसे डर रहता है कि समाज के साथ उसका समझौता न टूटे।
- इस अवस्था में है वह यह समझने लगता है कि समाज की सहमति के साथ सामाजिक नियमों को बदला जा सकता है।

Universal ethics/ intention stage

- बालक इस अवस्था में अपने विवेक का प्रयोग करने लगता है।
- वह स्वयं के द्वारा बनाए गए नियमों के आधार पर चलता है।
- वह चिंतन के आधार पर अंदाजा लगाता है कि कौन सा व्यवहार अच्छा है व कौन सा बुरा।

<u>वाइगोत्स्की ZPD सिद्धांत—</u>

लेव. एस. वाइगोत्स्की ने सामाजिक विकास का सिद्धांत दिया था।

वाइगोत्स्की सोवियत रूस के मनोवैज्ञानिक थे।

बालक समाज में आने से पहले एक निश्चित क्षमता से मुक्त होता है यह क्षमता उसकी वास्तविक क्षमता कहलाती है। परंतु वह समाज के संपर्क में जब आता है तो उसे समाज सहारा देता है जिसे <u>स्केफोल्डिंग</u> कहते है।

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

इनका मानना था कि बालक में हर प्रकार के विकास में उसका समाज एवं संस्कृति जिम्मेदार होता है।

जिस बच्चे की वास्तविक क्षमता तथा बच्चे की कार्यकारी क्षमता के अंतर को ZPD कहते हैं।

वाइगोत्स्की ने खेल और भाषा समाज को महत्व दिया।

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला